

## श्रम विभाग

## आदेश

दिनांक 21 नवम्बर, 1986

सं० ओ०वि०/अम्ब/48-86/43963.—चूँकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० इण्डियन सल्फासिड इण्डस्ट्री लि., जी.टी. रोड, शाहबाद मारकण्डा जिला कुश्नौर, के श्रमिक श्री श्री राम यादव मार्फत श्री इन्द्र सैन बंसल, छत्ता नालागढ़िया, जगाधरी तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई औद्योगिक विवाद है ;

और चूँकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निदिष्ट करना वांछनीय समझते हैं:

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं० 3(44)84-3-श्रम, दिनांक 18 अप्रैल, 1984 द्वारा उक्त अधिसूचना की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, अम्बाला को विवादग्रस्त या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पचाट तीन मास में देने हेतु निदिष्ट करते हैं जोकि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अथवा सम्बन्धित मामला है :—

क्या श्री श्री राम यादव की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० ओ०वि०/एफ०डी०/156-86/44006.—चूँकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० फरीदाबाद सैन्ट्रल कोर्पोरेटिव कन्जुमर स्टोर, 1-2, चौक, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री ओम प्रकाश दुआ, मकान नं० 1-एच4- एन.आई.टी. फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई औद्योगिक विवाद है ;

और चूँकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निदिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिये, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिदिष्ट मामले जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है न्यायनिर्णय एवं पचाट तीन मास में देने हेतु निदिष्ट करते हैं :—

क्या श्री ओम प्रकाश दुआ की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

दिनांक 25 नवम्बर 1986

सं० ओ० वि०/एफ०डी०/40-86/44169.—चूँकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० एस्कान्स (देहली) प्रा० लि०, 24, माईल स्टोन, मथुरा रोड, बल्लबगढ़, के श्रमिक श्री ओम प्रकाश मार्फत श्री हरि सिंह यादव, इन्टक यूनियन, ओफिस, नाहर सिंह, माकिट बल्लबगढ़ तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई औद्योगिक विवाद है ;

और चूँकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निदिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिये, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिदिष्ट मामले जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है न्यायनिर्णय एवं पचाट तीन मास में देने हेतु निदिष्ट करते हैं :—

क्या श्री ओम प्रकाश की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० ओ० वि०/एफ० डी०/40-86/44176.—चूँकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० एस्कान्स (देहली) प्रा० लि०, 24, माईल स्टोन, मथुरा रोड, बल्लबगढ़, के श्रमिक श्री धनबहादुर-मार्फत श्री हरि सिंह यादव, इन्टक यूनियन, ओफिस नाहर सिंह माकिट, बल्लबगढ़ तथा प्रबन्धकों के मध्य इस में इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई औद्योगिक विवाद है ;

और चूँकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निदिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिये, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिदिष्ट मामला जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है न्यायनिर्णय एवं पचाट तीन मास में देने हेतु निदिष्ट करते हैं :—

क्या श्री धनबहादुर की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?